राजस्थान की लोकदेवी

1.बाड़मेर-

- विरात्रा मातवांकल माता:मंदिर:चौहटन भोपों की कुल देवी

2.जालौर-

- सुंधा माता:मंदिर:-भीनमाल,सुंधा/सुगधादरी पर्वत पर चामुंडा माता का मंदिर
- चामुंडा माता को सुंधा पर्वत के नाम पर सुंधा माता कहने लगे।
- राजस्थान का प्रथम रोप वे सुंधा माता मंदिर पर है।
- आशापुरा माता या महोदरी माता:-मंदिर: मोदरा(जालौर)-
- बड़े उदर वाली माता के नाम से विख्यात
- जालौर के चौहान शासकों की कुल देवी

3.सिरोही-

- अर्बुदा देवी/अधर देवी: मंदिर:माउंट आबू राजस्थान की वैष्णो देवी / राजस्थान का सबसे ऊँचाई पर मंदिर
- सीमल माता/क्षमकरी/खीमल माता:मंदिर- वसंतगड मे स्थित, निर्माण:विक्रम सवंत 682 मे / क्षमकरी माता को ही खीमल माता कहते है।

4.पाली:

- सुगाली माता::आउवा (पाली) के ठाकुरो (चम्पावतो) की कुल देवी, सुगाली माता के काले पत्थरो की मूर्ति के म्यूजियम मे रखी हुई है।

Exam Watch

- मगर मंडी माता :(निमाज, जैतारण)
- आशा पूरा माता:नाड़ोल.

5.राजसमन्द:

- घेवर माता –मंदिर:राजसमन्द की पाल
- ऊनवास की पिप्लाद माता:मंदिर: हल्दी घाटी के निकट ऊनवास गांव में
- चारभुजा देवी:मंदिर: खमनोर मे

6.चितोड़ग□:

- बडली माता :मंदिर छिपो का अकोला में बेड़च नदी के किनारे
- आवरी माता या आसावरी माता: निकुम्भ में यह शक्ति पीठ शारीरिक व्याधियो के निवारण के लिए प्रसिद्ध है
- कालिका माता:मंदिर चितौड़ गड दुर्ग मे
- तुलजा भवानी:मंदिर चितोड गड दुर्ग मे छत्र पति शीवाजी के वंश की कुल देवी
- वटयइक्षनी देवी /झांतला माता/राठासण देवी: मंदिर:राष्ट्र शयेना देवी को अपभ्रंश में राठासण देवी कहा जाता है।
- बिरवडी माता::मंदिर चितौड़ गड दुर्ग मे

(6).बूंदी:

- इन्दर माता/बीजासण माता:मंदिर इंदरगढ़
- सथूर माता :मंदिर सथूर

(7). भीलवाड़ा:

- बदनोर की कुशाल माता:मंदिर, बदनोर(भीलवाड़ा) राणा कुम्भा ने 1457 ई.के युद्ध मे महमूद खिलजी को पराजित कर इस विजय की याद मे यह मंदिर बनवाया।
- जोगनिया माता (अन्नपूर्णा माता) भीलवाड़ा:
- धनोप माता: राजाधुन्ध की कुल देवी:भीलवाड़ा

(8).जयपुर:

- शीला देवी: कछवाहा राजवंश की कुल देवी / प्रमुख स्थान-आमेर, जयपुर
- शीतला माता: प्रमुख स्थान-शील की डुंगरी, चाकसू(जयपुर)/ चेचक की देवी के रूप मे प्रसिद्ध /अन्य नाम-सेढल माता या महामाई
- छींक माता:मंदिर गोपालजी का रास्ता(जयपुर)
- जमुवाय माता:स्थान: जमुवा रामगढ(जयपुर) , कछवाहो की कुलदेवी, अन्नपूर्णा नाम से भी प्रसिद्ध, जमुवाय माता के अन्य मंदिर: भोड़की(झुझुनु),महरोली एवं मादनी मंढा(सीकर) एवं भूनास(नागौर)
- सांभर की शाकम्भरी माता: चौहान वंश की कुल देवी , साभर की अधिस्टात्रि देवी
- ज्वाला माता:मंदिर?जोबनेर कछवाह वंश की शाखा खंगारोत शासको की कुल देवी
- नकटी माता:मंदिर जय भवानीपुरा गाँव(जयपुर)

(9).अलवर:

- नारायणी माता या करमेती माता: मंदिर राजगढ तहसील मे बरवा डुंगरी मे।
- जीलानी माता:मंदिर बहरोड़ कस्बे मे
- धोलागड माता:मंदिर कठूमर मे धौलागिरी पर्वत पर गौड़ ब्राह्मण वंश की कुल देवी

(10).नागौर:

- दधिमाता :मंदिर नागौर जिले के गोठ और मांगलोद गांवों के मध्य स्थित दधिच ब्राह्मण समाज की कुल देवी
- कैवाय माता:मंदिर परबरतसर तहसिल के किनसरिया गाँव मे
- भावल माता:नागौर

(11).भरतपुर:

- राजेश्वरी देवी:मंदिर भरतपुर के जाट वंश की कुल देवी

(12).कलादेवी-करौली

राजस्थान के विभिन्न राजवंश की कुल देविया

1) मेवाड़ के गुहिल: बाण माता
2) जोधपुर के राठौड़: नागणेची माता
3) अजमेर के चौहान: जीणमाता
4) जालौर के चौहान: आशापुरा माता(जालौर)
5) सांभर के चौहान: शाकंभरी माता(सांभर)
6) करौली के यादव: कैलादेवी
7) गुर्जर प्रतिहार: चामुंडा माता

Exam Watch
EXAM WATCH
JUST DO IT